जिलाधिकारी, अयोध्या द्वारा जल जीवन मिशन कार्यक्रम अन्तर्गत 'हर घर जल' के सम्बन्ध मे आहूत की गई समीक्षा बैठक दिनाक 23.06.2025 का कार्यवृत्त/दिए गए महत्वपूर्ण निर्देश बिन्दु।

दिनाक 23.06.2025 को अधोहस्ताक्षरी द्वारा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत 'हर घर जल' के सम्बन्ध मे प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक मे मुख्य विकास अधिकारी, अयोध्या, अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), सहायक अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण), जिला समन्वयक, डी0पी0एम0यू0, टीम लीडर, टी0पी0आई0 तथा कार्यदायी एजेंसी मेसर्स गायत्री प्रोजेक्ट लि0 एव रैमकी (जे0वी0), हैदराबाद, मेसर्स वी0एस0ए0–एस0सी0एल0 (जे0वी0), हैदराबाद, मेसर्स यूनिवर्सल एम्पी प्रोजेक्ट एण्ड इंजीनियरिंग सर्विसेज लि0, मुम्बई, मेसर्स विन्ध्या टैलीलिंक लि0,–गाजा इंजीनियरिंग प्रा0लि0 (जे.वी.), नोएडा–201301 (उ0प्र0) के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक मे की गई चर्चा एव दिए गए निर्देशानुसार सभी सम्बन्धित अधिकारी को निम्न बिन्दुओ पर तत्काल अपेक्षित कार्यवाही करते हुए अनुपालन आख्या उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे।

- जल जीवन मिशन फेज–3 कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद अयोध्या मे 540 पानी टंकी का निर्माण कार्य कराया जाना है, जिसके सापेक्ष 535 नग योजनाओ पर कार्य प्रारम्भ है। विकासखण्ड–मया बाजार मे शेरपाघाट, बनगावा, विकासखण्ड–मसोधा मे अलवाग, मिल्कीपुर–पहसावां पेयजल योजना का कार्य भूमि विवाद के कारण कार्य प्रारम्भ नही हो सका है। जिसके सम्बन्ध मे अधिशासी अभियन्ता (जल निगम) को निर्देशित किया गया कि सम्बन्धित उपजिलाधिकारी से सम्पर्क कार्य प्रारम्भ करायें। विकासखण्ड–सोहावल मे मुस्तफाबाद मे जलकल परिसर मे फलदार वृक्ष अधिष्ठापित होने के कारण शिरोपरि जलाशय का कार्य प्रारम्भ नही किया जा सका है, जिसके निस्तारण हेतु अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि वन विभाग से सम्पर्क स्थापित कर वृक्षो के पातन के सम्बन्ध मे कार्यवाही कराकर एक सप्ताह मे कार्य प्रारम्भ करायें। इसके साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि जिन ऐलम की टंकियों की प्रगति हेतु रिपोर्ट मे अलग से प्रस्तुत करें।
- प्रोजेक्ट मैनेजर, मेसर्स गायत्री प्रोजेक्ट लि0 एव रैमकी (जे0वी0), हैदराबाद द्वारा अवगत कराया गया विकासखण्ड– पूरा बाजार मे मित्रसेनपुर पेयजल योजना मे द्वितीय नलकूप के निर्माण हेतु भूमि उपलब्ध न हो पाने के कारण द्वितीय नलकूप का कार्य प्रारम्भ नही किया जा सका है। जिसके सम्बन्ध मे अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) को निर्देश दिया गया है कि उपजिलाधिकारी, सदर से सम्पर्क कर एक सप्ताह मे कार्य प्रारम्भ करायें।
- जिलाधिकारी महोदय द्वारा जानकारी चाही गई कि संचालन एवं रख–रखाव हेतु पेयजल योजनाओ चयन हेतु मानक क्या है, जिसके सम्बन्ध मे अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया है कि पेयजल योजना के समस्त कार्य पूर्ण कराते हुए समस्त लाभार्थियो को पेयजल उपलब्ध कराने के उपरान्त योजना को संचालन एव रख–रखाव हेतु चयनित किया जाता है। साथ ही यह भी अवगत कराया गया वर्तमान तक फेज–2 व फेज–3 के अन्तर्गत 84 नग पेयजल योजनाएं संचालन एवं रख–रखाव हेतु चयनित की गयी है, जिसके अन्तर्गत 106 ग्राम पंचायत एव 151 राजस्व ग्राम सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त 78 नग पेयजल योजनाएं संचालन एव रख–रखाव मे सम्मिलित किया जाने हेतु कार्यवाही की जा रही है, जिसे शीघ्र ही पूर्ण किया जाएगा।
- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया है कि वर्तमान तक 583 नग ट्यूबवेल के सापेक्ष 570 नग ट्यूबवेल का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कुछ योजनाओं पर द्वितीय नलकूप हेतु भूमि विवाद होने के कारण कार्य प्रारम्भ नही हो सका है। जिसके सम्बन्ध

जिलाधिकारी महोदय, द्वारा निर्देश दिया गया कि भूमि विवाद की समस्या का अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराते हुए एक सप्ताह के अन्दर सभी स्थानो पर ट्यूबवेल का निर्माण प्रारम्भ करायें।

- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया है कि वर्तमान तक 593 नग पम्पहाउस के सापेक्ष 548 नग पेयजल योजनाओं पर कार्य प्रारम्भ एवं 475 नग पम्पहाउस का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। 593 नग बाउण्ड्रीवाल के सापेक्ष 564 नग पेयजल योजनाओं पर कार्य प्रारम्भ एवं 507 नग बाउण्ड्रीवाल का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। 540 नग जलकल परिसर के विकासकार्य के सापेक्ष 223 नग पेयजल योजनाओं पर कार्य प्रारम्भ एवं 185 नग जलकल परिसर के विकासकार्य पूर्ण किया जा चुका है। 593 नग सोलर सिस्टम के सापेक्ष 405 नग पेयजल योजनाओं पर कार्य प्रारम्भ एवं 372 नग सोलर सिस्टम का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। 593 नग क्लोरीनेशन सिस्टम के सापेक्ष 271 नग पेयजल योजनाओं पर कार्य प्रारम्भ एवं 244 नग क्लोरीनेशन सिस्टम का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। 593 नग ऑटोमेशन सिस्टम के सापेक्ष 297 नग पेयजल योजनाओं पर कार्य प्रारम्भ एवं 208 नग ऑटोमेशन सिस्टम का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। 5878.00 किमी० काटी गई सडक के सापेक्ष 5506.00 किमी० सडक पुनर्स्थापना का कार्य पूर्ण कराया गया है, शेष कार्य प्रगति पर है। 332909 नग गृह जल संयोजन के सापेक्ष 328415 नग गृह जल संयोजन का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। पेयजल योजनाओं पर नियमित जलापूर्ति की जा रही है।
- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) के साथ–साथ समस्त सहायक अभियन्ता/ जूनियर इंजीनियर जल निगम (ग्रामीण) को निर्देश दिया गया कि जहा–जहा पम्पहाउस का निर्माण किया जा चुका है, वहां जलापूर्ति प्रारम्भ कराना सुनिश्चित करे।
- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया है कि वर्तमान तक 1144 नग राजस्व ग्रामो के सापेक्ष 298 नग राजस्व ग्रामो का हर घर जल प्रमाणीकरण ग्राम प्रधान एवं ग्राम सचिव के द्वारा कराया जा चुका है। जिसके क्रम मे मैसर्स गायत्री प्रोजेक्ट लि० एवं रैनकी (जे०वी०), हैदराबाद के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि कुछ योजनाओं पर समस्त घरो को गृह जल संयोजन उपलब्ध कराने के उपरान्त भी ग्राम प्रधान के द्वारा हर घर जल प्रमाणीकरण का कार्य नही किया जा रहा है, जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देश दिया गया कि खण्ड विकास अधिकारी से समन्वय स्थापित कर ग्राम प्रधान से हर घर जल प्रमाणीकरण कार्य करायें।
- जिलाधिकारी महोदय द्वारा सडक पुनर्स्थापना का कार्य मानक के अनुसार गुणवत्ता पूर्ण न किये जाने के कारण प्राप्त शिकायतो के सम्बन्ध मे समस्त फर्मो को निर्देशित किया गया है कि सडक पुनर्स्थापना का कार्य मानक के अनुसार गुणवत्ता पूर्ण करायें। इसके अतिरिक्त मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया सडको की कटिंग का कार्य कटर के माध्यम से ही करायें, ऐसा न पाये जाने पर सम्बन्धित फर्म के विरुद्ध एफ०आई०आर० दर्ज करते हुए कार्यवाही की जायेगी।
- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया है कि रेलवे क्रासिंग हेतु रेलवे विभाग से सम्बन्धित समस्त अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किया जा चुका है। परन्तु 57 स्थलो पर रोड क्रासिंग हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से अनापत्ति प्रमाण पत्र वर्तमान तक लम्बित है। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देश दिया गया कि सम्बन्धित विभाग से समन्वय स्थापित कर कार्य करायें। नियमित जलापूर्ति की जा रही है।

- जिलाधिकारी महोदय द्वारा जानकारी चाही गई कि गृह जल संयोजन लाभार्थियो के घर के बाहर दिया जाना है या घर के अन्दर। जिस पर अधिशासी अभियन्ता, जल निगम द्वारा अवगत कराया गया कि नियमानुसार गृह जल संयोजन लाभार्थी के किचन, बाथरूम अथवा टॉयलेट में से किसी एक स्थान पर प्रदान किया जाना है।
-
- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया है कि वर्तमान तक 277 नग पेयजल योजनाओ पर नियमित जलापूर्ति की जा रही है। जिसके क्रम मे अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) के साथ-साथ समस्त सहायक अभियन्ता/ जूनियर इंजीनियर जल निगम (ग्रामीण) को निर्देश दिया गया कि जहा-जहा पम्पहाउस का निर्माण किया जा चुका है, वहा जलापूर्ति प्रारम्भ कराना सुनिश्चित करे।
- उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार जल जीवन मिशन फेज-3 कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद अयोध्या मे 540 पानी टकी का निर्माण कार्य कराया जाना है, जिसमे मेसर्स गायत्री प्रोजेक्ट लि0 एवं रेमकी (जे0वी0), हैदराबाद द्वारा निर्धारित लक्ष्य 38 नग के सापेक्ष 28 नग, मेसर्स वी0एस0ए0-एस0सी0एल0 (जे0वी0), हैदराबाद द्वारा निर्धारित लक्ष्य 296 नग के सापेक्ष 132 नग, मेसर्स विन्ध्या टैलीलिंक लि0,-गाजा इंजीनियरिंग प्रा0लि0 (जे.वी.), नोएडा द्वारा निर्धारित लक्ष्य 49 नग के सापेक्ष 40 नग मेसर्स यूनिवर्सल एमईपी प्रोजेक्ट एण्ड इंजीनियरिंग सर्विसेज लि0, मुम्बई द्वारा निर्धारित लक्ष्य 159 नग के सापेक्ष मात्र 125 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण किया गया। अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि सम्बन्धित एजेंसियो को लक्ष्य के अनुरूप ससमय कार्य को पूर्ण कराने हेतु निर्देशित करे।

<u>एजेंसीवार प्रगति की समीक्षा की गई जिसका विवरण निम्न है –</u>

1. मेसर्स वी0एस0ए0-एस0सी0एल0 (जे0वी0), हैदराबाद की योजनावार समीक्षा बैठक मे पाया गया कि –

  * ट्यूबवेल बोरिंग 328 नग के सापेक्ष 307 नग पूर्ण है। शेष 21 नग ट्यूबवेल मे से 12 नग द्वितीय ट्यूबवेल हेतु भूमि विवाद के कारण, 02 नग ट्यूबवेल हेतु भूमि उपलब्ध न होने के कारण कार्य प्रारम्भ नही हुआ है, 04 नग स्थलो पर बोरिंग फेल हो गई जिसे पुनः कराया जा रहा है एवं अन्य 03 नग स्थलो पर ट्यूबवेल का कार्य प्रारम्भ है।।
  * शिरोपरि जलाशय के लक्ष्य 296 नग के सापेक्ष 281 नग स्थलो पर शिरोपरि जलाशय का कार्य प्रारम्भ, जिसमे से 284 नग स्थलो पर स्टेजिंग का कार्य एवं 226 नग स्थलो पर स्लैब का कार्य पूर्ण है, 132 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण है। फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि 296 नग शिरोपरि जलाशय मे से 83 नग योजना पर जिंक ऐलम की टकियो निर्माण किया जाना है। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा कहा गया कि आपके द्वारा जिंक ऐलम की टकियो का चयन कम किया गया है। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि अगली बैठक तक 50 नग शिरोपरि जलाशय के स्टेजिंग का कार्य मे प्रगति कराये।
  * पम्पहाउस के लक्ष्य 328 नग के सापेक्ष 290 नग का कार्य प्रारम्भ, 227 नग का कार्य पूर्ण है।

* बाउण्ड्रीवाल के लक्ष्य 328 नग के सापेक्ष 306 नग का कार्य प्रारम्भ, 255 नग का कार्य पूर्ण है। शेष 22 नग पेयजल योजनाओ पर बाउण्ड्रीवाल का कार्य प्रारम्भ कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

* पाइप लाइन के लक्ष्य 7077.20 किमी0 के सापेक्ष 6350.40 किमी0 का कार्य पूर्ण है। शेष 726.80 किमी0 कार्य न पूर्ण होने का कारण राष्ट्रीय राजमार्ग के समानान्तर पाइप लाइन बिछायी जानी है एव कुछ स्थानो पर भूमि विवाद के कारण पाइप बिछाये जाने का कार्य नही हो पा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि 25 दिन मे 250.00 किमी0 एव 45 दिनो मे समस्त अवशेष पाइप लाइन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण कराये।

* फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि कि 721 नग राजस्व ग्रामो हेतु 297 पेयजल योजनाओ के सापेक्ष 85 पेयजल योजनाओ 196 नग राजस्व ग्रामो मे नियमित जलापूर्ति की जा रही है। शेष 525 नग राजस्व ग्रामो मे अतिशीघ्र नियमित जलापूर्ति किये जाने के निर्देश दिए गए।

* सडक/मार्गो के पुनर्स्थापना के सम्बन्ध मे फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि अधिकतम सडक पुनर्स्थापना का कार्य करा लिया गया है।

2. मैसर्स यूनिवर्सल एमईपी प्रोजेक्ट एण्ड इंजीनियरिंग सर्विसेज लि0, मुम्बई की योजनावार समीक्षा बैठक मे पाया गया कि –

* ट्यूबवेल बोरिंग 164 नग के सापेक्ष 164 नग पूर्ण है।

* शिरोपरि जलाशय के लक्ष्य 159 नग के सापेक्ष 159 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य प्रारम्भ, 125 नग का कार्य पूर्ण, 148 नग का कार्य स्टेजिंग तक एव 157 नग का राफ्ट तक का कार्य कराया गया है।

* पम्पहाउस के लक्ष्य 164 नग के सापेक्ष 162 नग पर कार्य प्रारम्भ, 152 नग का कार्य पूर्ण है, शेष 02 नग मे से 01 नग पर वृक्ष स्थापित होने के कारण, दूसरे पर भूमि उपलब्ध हो गई है, शीघ्र कार्य प्रारम्भ कर दिया जायेगा।

* बाउण्ड्रीवाल के लक्ष्य 164 नग के सापेक्ष 161 नग पर कार्य प्रारम्भ, 157 नग का कार्य पूर्ण है, शेष 07 नग का कार्य शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

* पाइप लाइन के लक्ष्य 2310.00 किमी0 के सापेक्ष 2293.00 किमी0 का कार्य पूर्ण है। शेष 17.00 किमी0 का कार्य शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

* फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि 283 नग राजस्व ग्राम हेतु 132 नग पेयजल योजनाओ के सापेक्ष 233 नग राजस्व ग्रामो मे नियमित जलापूर्ति की जा रही है। शेष 50 नग राजस्व ग्रामो मे शीघ्र नियमित जलापूर्ति किये जाने के निर्देश दिए गए।

* सडक/मार्गो के पुनर्स्थापना के सम्बन्ध मे फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि अधिकतम सडक पुनर्स्थापना का कार्य करा लिया गया है।

3. मेसर्स विश्वा टेलीलिंक लि0-पावा इन्जीनियरिंग प्रा0लि0 (जे0वी0), नोएडा की योजनावार समीक्षा बैठक मे पाया गया कि –

* ट्यूबवेल बोरिंग 54 नग के सापेक्ष 54 नग का कार्य पूर्ण पाया गया।
* शिरोपरि जलाशय के लक्ष्य 49 नग के सापेक्ष 49 नग पर कार्य प्रारम्भ, 40 नग का कार्य पूर्ण, 49 नग का कार्य स्टेजिंग तक एवं 49 नग का शाफ्ट तक का कार्य कराया गया है।
* पम्पहाउस के लक्ष्य 54 नग के सापेक्ष 52 नग का कार्य प्रारम्भ, 51 नग का कार्य पूर्ण एवं 01 नग का कार्य प्रगति पर है शेष 02 नग लो-लैण्ड के कारण कार्य प्रारम्भ नही है। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देश दिया गया कि सम्बन्धित ग्रामसभा मे तालाब की खुदाई कराकर कैम्पस मे मिट्टी भराई का कार्य करायें।
* बाउण्ड्रीवाल के लक्ष्य 54 नग के सापेक्ष 52 नग पर कार्य प्रारम्भ, 51 नग का कार्य पूर्ण है, 01 नग का कार्य प्रगति पर है। सभी शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।
* पाइप लाइन के लक्ष्य 854.00 किमी0 के सापेक्ष 817.00 किमी0 का कार्य पूर्ण है। शेष 27.00 किमी0 का कार्य शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।
* फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि कि 94 नग राजस्व ग्रामो के हेतु 48 पेयजल योजनाओ मे 28 योजनाओ से 50 नग राजस्व ग्रामो मे नियमित जलापूर्ति की जा रही है। शेष 44 नग राजस्व ग्रामो मे शीघ्र नियमित जलापूर्ति किये जाने के निर्देश दिए गए।
* सड़क/ग्रामों के पुनर्स्थापना के सम्बन्ध मे फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि अधिकतम सड़क पुनर्स्थापना का कार्य करा लिया गया है।

4. मेसर्स गायत्री प्रोजेक्ट लि0 एवं रैमकी (जे0वी0), हैदराबाद की योजनावार समीक्षा बैठक मे पाया गया कि –

* ट्यूबवेल बोरिंग 46 नग के सापेक्ष 45 नग पूर्ण है। फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि मित्रसेनपुर पेयजल योजना विकासखण्ड- पूरा बाजार मे द्वितीय ट्यूबवेल हेतु भूमि विवाद होने के कारण कार्य प्रारम्भ नही हो सका है।
* शिरोपरि जलाशय के लक्ष्य 36 नग के सापेक्ष 36 नग पर कार्य प्रारम्भ, 26 नग का कार्य पूर्ण, 35 नग का कार्य स्टेजिंग तक एवं 36 नग का शाफ्ट तक का कार्य कराया गया है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा धीमी प्रगति पर रोष प्रकट किया, जिस पर फर्म द्वारा आश्वासन दिया गया 31 अगस्त, 2025 तक समस्त शिरोपरि जलाशय कार्य पूर्ण करा दिया जायेगा।
* पम्पहाउस के लक्ष्य 46 नग के सापेक्ष 45 नग पर कार्य प्रारम्भ, 44 नग का कार्य पूर्ण है।
* बाउण्ड्रीवाल के लक्ष्य 46 नग के सापेक्ष 45 नग का कार्य प्रारम्भ, 44 नग का कार्य पूर्ण है। शेष कार्य ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।
* पाइप लाइन के लक्ष्य 416.74 किमी0 के सापेक्ष 424.06 किमी0 का कार्य पूर्ण किया गया है।
* फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि कि 46 नग राजस्व ग्रामो हेतु 36 पेयजल योजनाओ मे से 32 योजनाओ से 38 नग राजस्व ग्रामो मे नियमित जलापूर्ति की जा रही है, 02 राजस्व ग्रामो मे राष्ट्रीय राजमार्ग के क्रासिंग का अनापत्ति प्रमाण पत्र न मिलने के कारण जलापूर्ति प्रारम्भ नही हो सकी। अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से सम्पर्क स्थापित कर अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करें।

* सड़क / मार्गो के पुनर्स्थापना के सम्बन्ध मे फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि अधिकांश सड़क पुनर्स्थापना का कार्य करा लिया गया है।

5. आई0ई0सी0 –

श्री अनुराग वर्मा, सी0बी0 एण्ड टी0, डी0पी0एम0यू0 द्वारा अवगत कराया गया कि 593 पम्पहाउस के सापेक्ष 372 पम्पहाउस पर आई0ई0सी0 संस्था मे0 सज्ञान के द्वारा पम्पहाउस पर एवं जनपद अमेठिया के सभी पंचायत घरो व प्राथमिक विद्यालयो पेन्टिग का कार्य कराया जा चुका है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा जानकारी चाही गई कि आई0ई0सी0 के द्वारा सभी ग्राम पंचायत मे नुक्कड़ नाटक का कार्य हुआ है कि नही एवं कार्य का सत्यापन किया गया है अथवा नही। श्री अनुराग वर्मा, सी0बी0 एण्ड टी0, डी0पी0एम0यू0 द्वारा अवगत कराया गया कि वर्ष 2023-24 मे ही आई0ई0सी0 संस्था द्वारा नुक्कड़ नाटक का कार्य कराया जा चुका है। कार्य के सत्यापन के सम्बन्ध मे अधिशासी अभियन्ता, जल निगम द्वारा अवगत कराया गया कि कुछ कार्यो का सत्यापन कराते हुए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ द्वारा भुगतान भी किया जा चुका है।

6. आई0एस0ए0 –

श्री इन्द्रभूषण वर्मा, डी0सी0, डी0पी0एम0यू0 द्वारा अवगत कराया गया कि प्लानिंग एवं मोबलाईजेशन फेज का कार्य कराया जा चुका है। वर्तमान मे भी आई0एस0ए0 संस्थाओ द्वारा इम्प्लीमेन्टेशन फेज एवं पोस्ट इम्प्लीमेन्टेशन फेज का कार्य कराया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जानकारी चाही गई कि क्या बेस लाइन डाटा को चेक किया गया, जिस पर श्री इन्द्रभूषण वर्मा, डी0सी0, डी0पी0एम0यू0 द्वारा अवगत कराया गया कि सभी आई0एस0ए0 संस्थाओ द्वारा बेसलाइन डाटा को चेक किया गया है, साथ अवगत कराया गया कि कुछ योजनाओ के वर्तमान ओपेक्स खाता नही खुल पाये है। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा कहा गया कि आई0एस0ए0 के भुगतान हेतु सभी अभिलेख उपलब्ध होने चाहिए। अन्यथा की स्थिति मे आई0एस0ए0 संस्थाओ का कोई भुगतान नही किया जायेगा। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी एफ0टी0के0 महिलाओ को पुन: पानी की जाच की एवं पोर्टल पर अपलोड करने की ट्रेनिंग प्रदान की जाय। जिलाधिकारी महोदय द्वारा अधिशासी अभियन्ता, जल निगम को निर्देशित किया गया कि जिन योजनाओ पर जलापूर्ति प्रारम्भ की जा चुकी है, उनकी सूची समस्त आई0एस0ए0 संस्थाओ को उपलब्ध कराते हुए पोस्ट इम्प्लीमेन्टेशन फेज का कार्य प्रारम्भ करावे। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा श्री अनुराग वर्मा, सी0बी0 एण्ड टी0, डी0पी0एम0यू0 से जानकारी चाही गई कि क्या एफ0टी0के0 महिलाओ द्वारा पानी की जाच की जा रही है, श्री अनुराग वर्मा, सी0बी0 एण्ड टी0, डी0पी0एम0यू0 द्वारा अवगत कराया गया कि हां एफ0टी0के0 महिलाओ द्वारा पानी की जाच की जा रही है।

उक्त के अतिरिक्त श्री अनुराग वर्मा, सी0बी0 एण्ड टी0, डी0पी0एम0यू0 द्वारा बताया गया कि वर्तमान मे जनपद मे 03 महिलाए पम्प आपरेटर के पद पर कार्यरत है, जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देश दिया गया कि अगली बैठक तक 20 महिलाओ को पम्पआपरेटर के पद पर नियुक्त किया जाय। सभी सहायक अभियन्ताओ को भी निर्देश दिया गया कि 05-05 महिलाओ को पम्प आपरेटर के पद पर नियुक्त करे।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि सार्वजनिक शौचालय, प्राथमिक विद्यालयो के टंकी मे सीधे कनेक्शन कराये एवं जनपद के समस्त

88 गौशालाओ मे तथा निमावा के फारेस्ट मे स्टैण्डपोस्ट लगाते हुए जलापूर्ति उपलब्ध कराये। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि टी0पी0आई0 के कार्यो की रिपोर्ट अगली बैठक से प्रस्तुत करे। अधिशासी अभियन्ता, जल निगम द्वारा अवगत कराया गया कि इस वर्ष जलकल परिसरो मे 6500 वृक्षो के अधिष्ठापन हेतु लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि प्रत्येक जलकल परिसर मे 20-20 वृक्ष (जिसमे पाकड़, गुलमोहर, प्यारा, नीम एव अशोक के वृक्ष हो) स्थापित कराये।

आई0जी0आर0एस0 की शिकायतो के सम्बन्ध मे अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि 01 जनवरी, 22.06.2025 तक कुल 1356 शिकायते प्राप्त हुई जिसमे 963 का निस्तारण कराया जा चुका है एव 393 शिकायते अभी भी लम्बित है। अधिशासी अभियन्ता द्वारा बताया गया कि फर्मो द्वारा कराये गये शिकायतो के निस्तारण गुणवत्तापूर्ण न होने के कारण 50 प्रतिशत शिकायतो का फीडबैक निगेटिव है। जिस पर श्री अजीज अहमद चौधरी, सा0अभि0 के द्वारा जिलाधिकारी महोदय को अवगत कराया गया कि फर्मो के द्वारा शिकायतो के निस्तारण हेतु पर्याप्त मैनपावर उपलब्ध नही कराया जा रहा है एव समय से शिकायतो का निस्तारण भी नही कराया जा रहा है जिससे निगेटिव फीडबैक प्राप्त हो रहा है। इस पर जिलाधिकारी महोदय ने समस्त फर्मो को निर्देशित किया कि आई0जी0आर0एस0 की समस्त शिकायतो का समय से गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण कराये जिससे निगेटिव फीडबैक न प्राप्त हो।

समस्त चारो फर्मो को निर्देश दिए गए कि जिन पेयजल योजनाओ पम्पहाउस का निर्माण कार्य पूर्ण है उन योजनाओ पर जलापूर्ति प्रारम्भ करे।

कार्यालय– जिलाधिकारी, अयोध्या

पत्रांक 2470 / M-27 / 87 दिनांक 07/07/2025

प्रतिलिपि – निम्नलिखित को सूचनार्थ एव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित –

1 मुख्य विकास अधिकारी, अयोध्या।
2 अधीक्षण अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), अयोध्या।
3 अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), अयोध्या।
4 समस्त उपजिलाधिकारी, अयोध्या को इस आशय से प्रेषित कि अपने से सम्बन्धित क्षेत्र की योजनाओ मे भूमि उपलब्ध नही है अथवा भूमि विवादित है, का निस्तारण कराने का कष्ट करे।
5 समस्त खण्ड विकास अधिकारी को इस निर्देश के साथ कि पूर्ण योजनाओ के हर घर जल प्रमाणीकरण हेतु ग्राम पचायत सचिव से सत्यापन कराकर प्रमाणीकरण का कार्य कराए।
6 डिस्ट्रिक्ट कोआर्डिनेटर, डी0पी0एम0यू0, अयोध्या।
7 टीम लीडर, टी0पी0आई0, अयोध्या यूनिट।
8 मेसर्स गायत्री प्रोजेक्ट लि0 एव रैमकी (जे0वी0), हैदराबाद, मेसर्स वी0एस0ए0– एस0सी0एल0 (जे0वी0), हैदराबाद, मेसर्स यूनिवर्सल एमईपी प्रोजेक्ट एण्ड इजीनियरिंग सर्विसेज लि0, मुम्बई, मेसर्स विन्ध्या टेलीलिंक लि0,-गाजा इजीनियरिंग प्रा0लि0 (जे.वी.), नोएडा-201301 (उ0प्र0)।

Digitally signed by
NIKHIL TIKARAM FUNDE
Date: 2025.07.07
02: जिलाधिकारी
अयोध्या।